मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

BSKE–143

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत/

बी. ए. (व्यावहारिक संस्कृत)

(बी. ए. एस. के. एच./बी. ए. ए. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.ई.-143 : संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***दस*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के लिए 10-10 अंक निर्धारित हैं।*

---

1. भारतीय दर्शन में वर्णित ईश्वर तत्व की विवेचना कीजिए।
2. भारतीय दर्शन के अनुसार आत्मा एवं पुनर्जन्म की अवधारणा का वर्णन कीजिए।
3. ज्ञानमीमांसा को विस्तारपूर्वक समझाइए।
4. कार्यकारण सिद्धान्त की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

5. पञ्चमहायज्ञों का वर्णन कीजिए।

6. त्रिविध-कर्म की विवेचना कीजिए।

7. संस्कारों का वैज्ञानिक विश्लेषण कीजिए।

8. गीता के अनुसार कर्मयोग की व्याख्या कीजिए।

9. भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की व्याख्या कीजिए।

10. धर्मशास्त्र के अनुसार स्वधर्म के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

11. पुरुषार्थ चतुष्टय का वर्णन कीजिए।

12. स्थितप्रज्ञ किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

13. त्रिगुणात्मक प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com